

रजिस्टर्ड नं ० ल ०-३३/एस० एम० १४/९१।



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, शुक्रवार, 22 मार्च, 1991/1 चंत्र, 1913

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-17 1004, 18 मार्च, 1991

संख्या 1-19/91-वि० स०.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम, 1973 के नियम, 135 के अन्तर्गत “हिमाचल प्रदेश (सङ्केत द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान विधेयक, 1991

(1991 का विधेयक, संख्यांक 15) जो आज दिनांक 18 मार्च, 1991 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरस्थापित हो गया है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करन हेतु प्रषित किया जाता है।

लक्ष्मण सिंह,  
सचिव।

1991 का विधेयक संख्यांक 15

। हिमाचल प्रदेश (सङ्क द्वारा कृतिपय माल के वहन पर) कराधान  
विधेयक, 1991

(विधान सभा में पुरस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश राज्य में सङ्क द्वारा वहन किए गए कृतिपय माल पर कर के उद्ग्रहण और सङ्क द्वारा वहन किए गए माल पर अधिरोपित कृतिपय करों को; और उसमें सम्बद्ध अन्य कृतिपय मामलों को विधिमान्य बनाने के लिए उपबन्ध करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के व्यालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (सङ्क द्वारा कृतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1991 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य पर है।

2. इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

संक्षिप्त  
नाम और  
विस्तार ।

परिभाषाएं।

(क) “नियत दिन” से वह दिन अभिप्रेत है जिसको यह अधिनियम प्रवृत्त होता है;

(ख) “बैरियर या चैक पोस्ट” से इस अधिनियम की धारा 5 के अधीन स्थापित बैरियर या चैक पोस्ट अभिप्रेत है;

(ग) “आयुक्त” से इस अधिनियम की धारा 7 के अधीन नियुक्त किया गया आयुक्त अभिप्रेत है;

(घ) “तथ की गई या तथ की जा रही दूरी” से राज्य में सङ्क द्वारा (यांत्रिक यान, छकड़ा, पशु और मानवीय अभिकरण द्वारा या किसी अन्य साधन द्वारा, रेल और वायु मार्ग के सिवाय) माल के वहन किए जाने वाले प्रथम स्थान से अन्तिम स्थान तक संगणित कुल दूरी अभिप्रेत है;

(ड) “माल” से इस अधिनियम से संलग्न, यथा सियति, अनुसूची-I या अनुसूची-II के सम्बन्ध (2) में विनिर्दिष्ट माल अभिप्रेत है;

(च) “सरकार” या “राज्य सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है;

(छ) “निरीक्षक” से राज्य सरकार द्वारा किसी माल के बारे में कर का संग्रहण करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत कर के संग्रहण के सम्बन्ध में तैनात किया गया प्रत्येक सरकारी सेवक है;

(ज) “किरोग्राम” से बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 में यथा परिभाषित किलोग्राम अभिप्रेत है;

(झ) “यांत्रिक यान” से सङ्कों पर प्रयोग के लिए अनुकूल बनाया गया यन्त्र नोंदित यान अभिप्रेत है, चाहे उसे चालन की शक्ति बाह्य या अन्तरिक स्तरों से दी गई हो और चैसिस जिसके साथ बाढ़ी नहीं जोड़ी गई है और ट्रेलर, इसके अन्तर्गत है;

(ञ) “अधिसूचना” से राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अभिप्रेत है;

- (ट) "राजपत्र" से हिमाचल प्रदेश राजपत्र अभिप्रेत है;
- (ठ) "विहित" से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;
- (ड) "अनुसूची" से इस अधिनियम से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;
- (ढ) "राज्य" से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है;
- (ण) "कर" से इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत कर अभिप्रेत है; और
- (त) "कराधायक प्राधिकारी" से इस अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया आवकारी एवं कराधान विभाग का कोई अधिकारी अभिप्रेत है जो आवकारी और कराधान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे कान हो और जिसे इस अधिनियम के प्रयोजनों को निष्पादित करने के लिए धारा 7 की उप-धारा (2) के अधीन शक्तियां प्रदत्त की गई हों या उप-धारा (3) के अधीन शक्तियां विनिहित की गई हों।

उद्ग्रहण  
और कर  
की दर।

3. (1) इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, यांत्रिक यान, छकड़ा, पशु या मानवीय अभिकरण द्वारा या किसी अन्य साधन से, रेल और वायु मार्ग के सिवाय, अनुसूची-I के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सड़क द्वारा वहन किए गए प्रत्येक प्रकार के माल पर कर उद्गृहीत किया जाएगा और सरकार को संदत्त किया जाएगा

(2) अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट माल पर उद्गृहीत किया गया ऐसा कर राज्य में प्रत्येक 150 किलोमीटर या उसके भाग की तय की गई या तय की जा रही दूरी के लिए निम्नलिखित दरों पर संदेय होगा, अर्थात्:—

- (क) जहां तय की गई या तय की जा रही दूरी 150 किलोमीटर से अधिक न हो,
- (ख) जहां तय की गई या तय की जा रही दूरी 150 किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 300 किलोमीटर से अधिक न हो,
- (ग) जहां तय की गई या तय की जा रही दूरी 300 किलोमीटर से अधिक हो।

अनुसूची-I के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों पर;

अनुसूची-I के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट से दुगनी दरों पर; और

अनुसूची-I के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों से तीन गुना दरों पर।

(3) किसी भी समय, नियत दिन से पूर्व किन्तु 17 जुलाई, 1976 को और उसके पश्चात्, रेल और वायु मार्ग के सिवाय, यांत्रिक यान, पशु, छकड़ा, पशु और मानवीय अभिकरण द्वारा या किसी अन्य साधन द्वारा सड़क से वहन किए गए अनुसूची-II के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक प्रकार के माल पर राज्य में प्रत्येक 150 किलोमीटर या उसके भाग की तय की गई दूरी के लिए उसके स्तम्भ (3) में वर्णित अवधि के लिए निम्नलिखित दरों पर कर उद्गृहीत और संदत्त किया गया समझा और सदैव समझा जाएगा, अर्थात्:—

- (क) जहां तय की गई या तय की जा रही दूरी 150 किलोमीटर से अधिक न हों,
- (ख) जहां तय की गई या तय की जा रही दूरी 150 किलोमीटर से अधिक हो किन्तु 300 किलोमीटर से अधिक न हों;

अनुसूची-II के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट दरों पर;

अनुसूची-II के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट से दुगनी दरों पर; और

(ग) जहां तथ की गई या तथ की जा रही अनुसूची-II के सम्म (4) में विनिर्दिष्ट दूरी 300 किलोमीटर से अधिक हो, दरों से तीन गुना दरों पर।

(4) कर के निर्धारण के प्रयोजन के लिए, माल के शुद्ध भार, मूल्य, परमाण और प्रकार का अवधारण विहित रीति से किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण**—इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत कर, हिमाचल प्रदेश यात्री और माल कराधान अधिनियम, 1955 के अधीन उद्गृहीत या उद्ग्रहणीय किसी कर के अतिरिक्त होगा।

4. इस अधिनियम के अधीन संदेय कर का संदाय, यथास्थिति, यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु के, जिसमें या जिस पर माल का वहन किया जाता है या माल के प्रभारी व्यक्ति द्वारा विहित रीति से सरकारी खजाने या भारतीय स्टेट बैंक में या उस जिल के कराधानक अधिकारी को जिसमें माल का वहन किया जाता है, इस रूप के अधीन रहते हुए किया जाएगा कि ऐसा प्राधिकारी उसमें विनिर्दिष्ट राशि प्राप्त करने के प्रमाण स्वरूप, विहित प्ररूप में उसे रसीद जारी करेगा।

कर के संदाय की पद्धति।

5. (1) इस अधिनियम के अधीन कर के अपवंचन के निवारण या पड़ताल के उद्देश्य से, राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा, ऐसी सङ्केत या सङ्कों पर जो अधिसूचित की जाए, चैक पोस्ट की स्थापना या बैरियर के निर्माण या दोनों के लिए निर्देश दे सकेगी।

चैक पोस्ट या बैरियर की स्थापना और अभिव्यक्ति में माल का निरीक्षण।

(2) प्रत्येक चैक पोस्ट या बैरियर अथवा किसी अन्य स्थान पर, जब चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी अधिकारी द्वारा या किसी अन्य अधिकारी द्वारा जो श्रावकारी एवं कराधान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, ऐसा करना अपेक्षित हो, तो चालक या यथास्थिति रखी, माल, यांत्रिक यान, पशु या छकड़े का कोई अन्य प्रभारी व्यक्ति यांत्रिक यान या पशु अथवा छकड़े को रोकेगा और इसे उतनी देर तक जितनी कि युक्तियुक्त रूप से आवश्यक हो खड़ा रखेगा और उपर्युक्त अधिकारी को यांत्रिक यान या पशु अथवा छकड़े पर रखी विषय वस्तु का पकेज या पैकेजिज तोड़ के खोल कर, यदि आवश्यक हो, परीक्षण करने और वहन किए गए माल से संबंधित रिकार्ड का निरीक्षण करने की जो चालक या अन्य प्रभारी व्यक्ति के कब्जे में हो, अनुज्ञा देगा और ऐसी अन्य सूचना भी देगा जो उपर्युक्त अधिकारी द्वारा अपेक्षित हो, और यदि आवश्यक समझा जाए तो ऐसा अधिकारी माल, यांत्रिक यान, पशु या छकड़े और यांत्रिक यान या पशु अथवा छकड़े या माल के चालक या अन्य प्रभारी व्यक्ति की तलाशी भी ले सकेगा।

(3) माल, यांत्रिक यान, पशु या छकड़े का प्रभारी व्यक्ति, उसके द्वारा वहन किए जा रहे माल के बारे में धारा 4 के अधीन संदर्भ किए गए कर को दर्शाते हुए, विहित प्ररूप में रसीद अपने पास रखेगा और मांगने पर चैक पोस्ट या बैरियर के प्रभारी अधिकारी को या ऐसे यांत्रिक यान, पशु या छकड़े की किसी अन्य स्थान पर पड़ताल करने वाले, किसी अन्य अधिकारी को जो श्रावकारी एवं कराधान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, पेश करेगा।

(4) यदि माल, यांत्रिक यान, पशु या छकड़े का प्रभारी व्यक्ति उपधारा (3) के अधीन यथा अपेक्षित रसीद पेश करने में असफल रहता है तो, यथास्थिति, चैक पोस्ट या बैरियर का प्रभारी अधिकारी या उपधारा (3) के अधीन निर्दिष्ट कोई अन्य अधिकारी निरीक्षण के स्थान या चैक पोस्ट अथवा बैरियर पर कर वसूल करेगा और उसे विहित प्ररूप में रसीद जारी करेगा।

(5) यदि वह माल जिस पर इस अधिनियम के अधीन कर संदेय है, अभिवहन के दौरान राज्य में आने वाले प्रथम चैक पोस्ट या बैरियर से वहन हो रहा हो, तो माल, यांत्रिक यान, पशु या छकड़े का प्रभारी व्यक्ति ऐसी चैक पोस्ट या बैरियर पर कर का संदाय कर सकेगा और ऐसे संदाय के लिए विहित प्रस्तुति में रसीद प्राप्त कर सकेगा।

कर की प्रदर्शन सारणी और आस्तियों की विवरणी । 6. कराधायक प्राधिकारी के कार्यालय में या किसी चैक पोस्ट अथवा बैरियर पर लेने के लिए प्राप्ति कृत कर की सारणी ऐसे कार्यालय, चैक पोस्ट या बैरियर के निकट या में, सुपाठ्य हिन्दू और अंग्रेजी के शब्दों और अंगों में लिखित या मुद्रित कर के सहज दश्य स्थान पर प्रदर्शित की जाएगी और उसे अपवर्चन या करके संदाय से इन्कार करने के लिए आस्तियों की विवरणी उसी प्रकार लिखित या मुद्रित रूप में, उपाबद्ध की जाएगी।

कराधायक प्राधिकारी । 7. (1) इस अधिनियम के प्रयोजनों को निष्पादित करने के लिए सरकार, आयुक्त और उसकी शहायता के लिए ऐसे अन्य अधिकारी या अधिकारियों को नियुक्त कर सकेगी, जैसे वह उन्हिंन समझे।

(2) उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया ऐसा अधिकारी या ऐसे अधिक री कराधायक प्राधिकारी की शक्तियों का या ऐसी अन्य शक्तियों का जो उन्हें प्रदत्त की जाए, प्रयोग करेगा/करेंगे और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेंगे जो इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित हों और उनकी अधिकारिता ऐसे क्षेत्र या क्षेत्रों पर होगी और उनके एक दूसरे से ऐसे संबंध होंगे, जो विहित किए जाएं।

(3) सरकार, उपधारा (1) के अधीन किसी व्यक्ति को नियुक्त करने के बजाए, अधिसूचना द्वारा, आवकारी एवं कराधान विभाग के किसी अधिकारी को जो आवकारी एवं कराधान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, इस अधिनियम के अधीन किन्हीं शक्तियों का प्रयोग करने के लिए विनिहित कर सकेगी और उसमें उस क्षेत्र को विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिसमें शक्ति का प्रयोग किया जाएगा और तदुपरि ऐसा अधिकारी या ऐसे अधिकारी उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किए गए समझे जायेंगे।

(4) इस अधिनियम के अधीन नियुक्त किए गए सभी अधिकारी भारतीय दण्ड संहिता की धारा 21 के अर्थात् लांक सेवक समझे जायेंगे।

निरीक्षकों और अन्य कराधायक प्राधिकारियों की सहायता । 8. इस अधिनियम के अधीन उनके कर्तव्यों के पालन में निरीक्षकों और अन्य कराधायक प्राधिकारियों की सहायता करने के लिए, जब भी अपेक्षित हो, सभी पुलिस अधिकारी आबद्धकर होंगे; और उस प्रयोजन के लिए उनको वे ही शक्तियां प्राप्त होंगी जो उन्हें साधारण पुलिस कर्तव्यों के निर्वहन के लिये प्राप्त हैं।

संदाय से इन्कार या अपवर्चन की दशा में, कर की वसूली । 9. (1) यदि, यथास्थिति, जिसे में अधिकारिता रखने वाले कराधायक प्राधिकारी या चैक पोस्ट अथवा बैरियर के प्रभारी निरीक्षक का समाधान हो जाता है कि अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट माल का वहन करने वाले किसी व्यक्ति ने इस अधिनियम के अधीन देय कर के संदाय का अपवर्चन किया है या ऐसे व्यक्ति ने मांगने पर कर का संदाय नहीं किया है, तो वह कारणों को अभिलिखित कर के और उक्त व्यक्ति को सुनने के पश्चात् ऐसे माल को और ऐसे भाल का वहन करने वाले यांत्रिक यान, छकड़े या पशु को भी, ऐसी अवधि के लिये जो कि युक्तियुक्त रूप से आवश्यक हो, रोक रखने का आदेश दे सकेगा और उसे केवल, माल के स्वार्मा या उसके प्रतिनिधि अथवा चालक द्वारा या

माल, यांत्रिक यान, छकड़े या पशु के अन्य प्रभारी व्यक्ति द्वारा माल के स्वामी की ओर से कर का संदाय करने पर या कर की राशि को प्रतिभूत करते हुए विहित प्राप्ति में उसके समाधानप्रद रूप में प्रतिभूत सहित या प्रतिभूत रहित, प्रतिभूत या बन्धपत्र निष्पादित करने पर, जाने देगा ।

(2) यदि उप-धारा (1) के अधीन रोके गए माल या यांत्रिक यान, छकड़े या पशु का प्रभारी व्यक्ति ऐसे माल के रोके जाने के 24 घण्टे के अन्दर, देय-कर का सदाय करने या उप-धारा (1) में निर्दिष्ट बन्ध-पत्र पेश करने में असफल रहता है, तो कराधायक प्राधिकारी या निरीक्षक विहित रीति में माल का विक्रय करवा सकेगा ।

(3) ऐसे माल का विक्रय-ग्रागम, विक्रय का खर्च चुकाने और कर की कटौती करने के पश्चात् विहित रीति से माल के प्रभारी को सदत किया जायेगा ।

10. (1) जो कोई भी,—

शास्त्रियां ।

(क) इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों या तद्धीन बनाए गए नियमों अथवा ऐसे किन्हीं उपबन्धों या नियमों के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का उल्लंघन करता है या उल्लंघन का दुष्प्रेरण करता है; या

(ख) वहन किए गए माल की विशिष्टियां छुपाता है या जानबूझ कर ऐसे माल की गलत विशिष्टियां पेश करता है;

दोषसिद्धि पर, दोनों में से एक प्रकार के कारावास से, जो छः मास तक का हो सकेगा या जुर्माने से, जो एक हजार रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों से, दण्डनीय होगा ।

(2) कोई भी मैजिस्ट्रेट, इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन अपराध का, आयुक्त द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत प्राधिकारी या प्राधिकारी द्वारा लिखित परिवाद करने के सिवाय, संज्ञान नहीं करेगा ।

11. (1) राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा किसी अधिकारी को, जो आबकारी और कराधान अधिकारी की पंक्ति से नीचे का न हो, इस अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन, किए गए अपराध का शमन करने के लिए, प्राधिकृत कर सकेगी ।

अपराधों  
का शमन ।

(2) उप-धारा (1) के अधीन प्राधिकृत अधिकारी, अधिनियम के अधीन किए गए अपराध का शमन, या तो एक हजार रुपये या कर की राशि से दुगनी राशि, जो भी अधिक हो, प्रभारित करके कर सकेगा ।

(3) उप-धारा (2) में निर्दिष्ट राशि के संदाय पर, ऐसे अपराध के बारे में संबद्ध व्यक्ति के विरुद्ध आगे कोई भी दाण्डक कार्यवाहियां नहीं कीं जायेंगी या जारी नहीं रखी जायेंगी ।

12. (1) इस अधिनियम के अधीन पारित किसी भी मूल आदेश के विरुद्ध अपील, अपील सरकार द्वारा नियुक्त अपीलीय प्राधिकारी के, ऐसे आदेश के पारित किए जाने से साठ दिन के अन्दर की जा सकेगी :

परन्तु ऐसे प्राधिकारी द्वारा तब तक अपील ग्रहण नहीं की जायेगी, जब तक उसका समाधान नहीं हो जाता है कि कर और अधिरोपित शास्ति की राशि संदत्त कर दी गई है :

परन्तु यह और कि यदि ऐसे प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि व्यक्ति ऐसा संदाय करने में असमर्थ है, तो वह कारणों को अभिलिखित कर के, ऐसा संदाय किए बिना अपील ग्रहण कर सकेगा ।

(2) धारा 13 में उपबन्धित के सिवाय, अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया आदेश अन्तिम होगा ।

**पुनरीक्षण ।** 13. (1) आयुक्त, स्वप्रेरणा से ऐसी कार्यवाहियों या उसमें किए गए आदेश की वैधता या औचित्य के बारे में अपने समाधान के प्रयोजन के लिए, उसके अधीनस्थ किसी प्राधिकारी के पास लम्बित या उस द्वारा निपटाई गई किन्हीं कार्यवाहियों के अभिलेख मंगा सकेगा और उसके बारे में ऐसा आदेश पारित कर सकेगा, जैसा वह उचित समझे ।

(2) राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा उप-धारा (1) के अधीन किसी अधिकारी को, आयुक्त वो शक्तियां प्रदत्त कर सकेगी जो ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और ऐसे क्षेत्रों में प्रयोग की जा सकेगी जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाएं ।

(3) इस धारा के अधीन किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला आदेश तब तक नहीं किया जायेगा, जब तक कि ऐसे व्यक्ति को सुनवाई का यक्तियुक्त अवसर नहीं दे दिया गया हो ।

**प्रतिदाय ।** 14. कराधायक प्राधिकारी, स्वप्रेरणा से या उसे किए गये आवेदन पर, इस अधिनियम के अधीन देय राशि से अधिक संदत्त की गई कर या शास्ति की किसी राशि का विहित रीति से उस व्यक्ति को प्रतिदाय करेगा जिसने ऐसी अधिक राशि संदत्त की हो ।

परन्तु इस धारा के अधीन प्रतिदाय ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए होगा, जैसी कि विहित की जाएं ।

**अनुसूची-I** को संशोधित करने की 15. (1) राज्य सरकार, पूर्व प्रकाशन की शर्त के अधीन रहते हुए, अनुसूची-I के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट किसी माल का परिवर्धन या लोप और उसके स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट कर की दरों में संशोधन कर सकेगी और तदुपरि उक्त अनुसूची तदनुसार शक्ति । संशोधित मानी जायेगी :

परन्तु अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट कर की दर में किसी एक समय पर पचास प्रतिशत से अधिक की बढ़ौतरी नहीं की जायेगी ।

(2) उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई प्रत्येक अधिसूचना, इसके जारी किए जाने के पश्चात्, यथाशक्यशीघ्र, विद्वान सभा के पट्टब पर रखी जायेगी ।

**कार्यवाहियों का वर्जन ।** 16. इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन अथवा तद्धीन बनाए गए नियमोंद्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति के विश्वद, इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन उस द्वारा सद्भावपूर्वक की गई या की गई तात्परित किसी बात के लिए कोई वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाहियां नहीं होंगी ।

17. राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा कर के उद्घाटन और संग्रहण को प्रतिभूत करने और साधारणतया इस अधिनियम के प्रयोजनों को निष्पादित करने के लिए इस अधिनियम से संगत, नियम बना सकेंगी।

18. (1) किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकरण के किसी निर्णय, डिक्री या आदेश में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी, राज्य में मड़क द्वारा वहन किए गए कतिपय माल पर किसी कर का (जिसे इसके पश्चात् इस धारा में “उर्ध्वकृत कर” के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) 17 जुलाई, 1976 को था उसके पश्चात् किन्तु इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व किसी समय हिमाचल प्रदेश टैक्सेशा (यानि स्टैनगुडज टैरोड वाई रोड) एकट, 1976 (जिसे इसके पश्चात् इस धारा में “उक्त एकट” निर्दिष्ट किया गया है) के उपवन्धों के अधीन किया गया या किया गया तात्परित कोई निर्धारण, उद्घाटन या संग्रहण की गई कार्रवाई या बात, उन्हीं ही विधिमान्य और प्रभावी समझी जायेगी मानो ऐसा निर्धारण, उद्घाटन या संग्रहण अथवा कार्रवाई या बात इस अधिनियम के उपवन्धों के अधीन किया गया या की गई हो और तदनुसार —

विधमान्य-  
करण और  
छूट ।

- (i) इत अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व उक्त अधिनियम के उपवन्धों के अधीन निर्धारित, उद्गृहीत या संगृहीत अथवा निर्धारित, उद्गृहीत या संगृहीत तोत्परित उर्ध्वकृत कर, विधि के अनुसार निर्धारित, उद्गृहीत और संगृहीत किया गया समझा जायेगा और सदैव समझा जायेगा;
- (ii) उर्ध्वकृत किसी प्रकार के कर के बारे में जो संगृहीत किया गया है, किसी न्यायालय या किसी प्राधिकरण के समक्ष प्रतिदायी के लिये कोई बाद या अन्य कार्यवाहियों नहीं होंगी या जारी नहीं रखीं जायेंगी और किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा प्रतिदाय को निवेशित करने वाली किसी डिक्री या आदेश का प्रबंधन नहीं किया जायेगा;
- (iii) उन सभी राशियों की बस्तुओं, यदि कोई हों, उक्त अधिनियम के उपवन्धों के अनुसार की जायेंगी, जो तद्वारा ऐसे उर्ध्वकृत कर के रूप में संगृहीत की गई हातीं पदि यह अधिनियम सभी तात्त्विक समयों पर प्रवृत्त होता; और
- (iv) इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व, उक्त अधिनियम के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई (जिसके अन्तर्गत बनाया गया कोई नियम या आदेश, जारी की गई अधिसूचना या दिपा गया कोई निदेश, मजूर की गई छूट या अधिरोधित शास्ति है) सदैव इस अधिनियम के अनुसार विधिमान्य रूप से की गई समझी जायेगी ।

(2) उप-धारा (1) में किसी बात के होते हुए भी, उक्त अधिनियम से सलग अनुसूची के स्तम्भ (2) में निर्दिष्ट किसी माल पर उर्ध्वकृत कर से छूट होगी, जहां ऐसा माल उक्त अधिनियम के प्रारम्भ होने पर या उसके पश्चात् किन्तु इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व किसी भी समय सड़क द्वारा वहन किया गया है और ऐसे माल पर इस आधार पर उक्त कर संगृहीत नहीं किया गया है कि उस समय कोई ऐसा कर उद्गृहीत या संगृहीत नहीं किया जा सकता था ।

(3) शंकाओं के निराकरण के लिए, एतद्वारा यह घोषणा की जाती है कि—

- (क) उप-धारा (1) की किसी बात का किसी व्यक्ति को निम्नलिखित से निवारित करने के रूप में दर्ये नहीं लगाया जायेगा —
- (i) उर्ध्वकृत कर के निर्धारण, उद्घाटन या संग्रहण को, इस अधिनियम के उपवन्धों के अनुसार प्रशंसनगत करने से;

(ii) उसद्वारा इस अधिनियम के अधीन देय राशि से अधिक संदत्त किए गए उपर्युक्त कर के प्रतिदाय के दावे से;

(ख) इस अधिनियम से पूर्व, किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य या त्रुटि, अपराध के रूप में दण्डनीय नहीं होगी जो इस प्रकार दण्डनीय न होती, यदि यह अधिनियम प्रवृत्त न हुआ होता।

निरसन और 19. (1) हिमाचल प्रदेश टैक्सेशन (आन सर्टन गुड्ज केरीड बाई रोड) एकट, व्यावृत्तियां। 1976 एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उक्त निरसित अधिनियम के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के अधीन की गई समझी जायेगी मानो यह अधिनियम 17 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हो गया हो।

1976  
का 34.

## अनुसूची-I

[धारा 3 की उपधारा (1) और (2) देखें]

क्र. सं.	माल की विशिष्टियां जिन पर कर उद्ग्रहित हैं	कर की दर
	2	3
1.	10 किलोग्राम धारिता तक की पेटियों में भरे सेव	50 पैसे प्रति पेटी
2.	10 किलोग्राम से अधिक और 20 किलोग्राम तक धारिता की पेटियों में भरे सेव।	1.00 रुपया प्रति पेटी
3.	किसी अन्य पैकिंग में या खुले भरे सेव	50 पैसे 10 प्रति किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
4.	आम	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
5.	नारंगी, मीठे संतरे जिसके अन्तर्गत कीनू भी है	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
6.	खूबानी, आड़ू, आलूबुखारा	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
7.	ग्रंगूर	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
8.	केला	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
9.	नाशपाती	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
10.	अन्य सभी फल	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
11.	आलू	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
12.	अन्य सभी सब्जियां	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए।
13.	इमारती लकड़ी :	
	(क) सांतु, हाकरीज, डिमडिमास, रक एक्सड (सभी आकार की) :	
	(i) देवदार, वालनट, मेपल, बर्डचेरी, बेटुला प्रजाति (भोजपत्र), एस्कुलस इण्डिका (खनोर)	50 रुपये प्रति घन मीटर।
	(ii) कैल, साल	40 रुपये प्रति घन मीटर।
	(iii) चीड़	35 रुपये प्रति घन मीटर।

(iv) फर/स्प्रूस	30 रुपये प्रति घन मीटर।
(v) हानंबीम (खिड़की), ऐश	75 रुपये प्रति घन मीटर।
(द) गेली (लौग) (सभी आकार की):	
(i) देवदार, बालानट, मेपल, बर्डवेरी, बेडुना प्रजाति (भौजपद), एसकुलस इण्डिया (ब्रनोर)	35 रुपये प्रति घन मीटर।
(ii) कैल, साल	28 रुपये प्रति घन मीटर।
(iii) चीड़	28 रुपये प्रति घन मीटर।
(iv) फर/स्प्रूस	20 रुपये प्रति घन मीटर।
(v) हानंबीम (खिड़की), ऐश	52 रुपये प्रति घन मीटर।
(ग) बलियां (सभी आकार की):	
(i) देवदार	25 रुपये प्रति घन मीटर।
(ii) कैल, साल	20 रुपये प्रति घन मीटर।
(iii) चीड़	18 रुपये प्रति घन मीटर।
(iv) फर/स्प्रूस	15 रुपये प्रति घन मीटर।
(घ) खैर:	
(i) कटा हुआ सारंकाष्ट या ईंधन की मोटी लकड़ी, या गेली रूप या रड़े या किसी अन्य रूप में।	50 रुपये प्रति किवटल।
(ii) छाल सहित खैर की ईंधन की मोटी लकड़ी या गेली के रूप में, या रड़े या किसी अन्य रूप में।	25 रुपये प्रति किवटल।
(ङ) ईंधन की लकड़ी	10 रुपये प्रति किवटल।
(च) चीड़ की गहेदार लकड़ी	10 रुपये प्रति किवटल।
(छ) कोई अन्य शैक्खारी या चौड़े पत्तों वाली इमारती लकड़ी	40 रुपये प्रति घन मीटर।
14. बीज:	
सभी वन जैसे देवदार, कैल, चीड़ और चौड़े पत्ते वाली प्रजातियों के बीज	100 रुपये प्रति किवटल।
15. अन्य वन उपज:	
(क) वाँस	10 रुपये प्रति किवटल।
(ख) कत्था	500 रुपये प्रति किवटल।
(ग) बरोजा (राल)	20 रुपये प्रति किवटल।
(घ) डाइस्कोरिया	28 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(ङ) बारबेरोज़	20 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(च) केरम कारवी (काला जिरा)	400 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(छ) एम्बरिका आकमिपनोल (आंवला फल)	10 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(ज) सेन्टीग्राना कारू (कौड़ी)	50 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(झ) जुरीनिया मैकरंसेफिला (धूप)	50 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(ञ) जुग्नांन रोगिया (अखरोट छाल और फल)	100 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(ट) धरचेजाएसकुलेन्टा (गुज्जी)	5000 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)
(ठ) पिकरोंथिया करोजा (कौड़ी, कड़ी)	50 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)

1	2	3
(इ) राऊवेलफिया सरपेन्टिना (राऊवेलफिया)	750 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)	
(इ) साऊसूर्या लाल्हा (कुठ)	30 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)	
(ग) टर्मिनली चैवुला (हरा फल)	40 रुपये प्रति किवटल (शुक)	
(त) वायोलसरपैन्स वायोलाओडोराटा (वन फणा)	100 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)	
(थ) रीठा	40 रुपये प्रति किवटल (शुक)	
(द) चिलगीजा	150 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)	
(ध) टरमीनोलिया बेलरीका (बहेड़ा फल)	40 रुपये प्रति किवटल (शुक)	
(न) भाभर घास	5 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)	
16. (क) ईंटे	30 रुपये प्रति हजार।	
(ख) चूता पत्थर	50 रुपये प्रति टन।	
(ग) बंजरी	10 रुपये प्रति टन।	
(घ) रेत	10 रुपये प्रति टन।	
अन्य लघु खनिज	10 रुपये प्रति टन।	
17. सीमेंट	2.00 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की बोरी।	
18. रोड़े	20 रुपये प्रति टन।	

## प्रनुसूची-II

[धारा 3 की उप-धारा (3) देखें]

क्रम संख्या	माल की विशिष्टियां जिन पर कर उदाहरण हैं	अवधि	कर की दर
1	2	3	4
1.	10 किलोग्राम धारिता की पेटियों में भरे सेव	17-7-76 से आगे	50 पैसे प्रति पेटी ।
2.	10 किलोग्राम से अधिक और 20 किलोग्राम तक धारिता की पेटियों में भरे सेव ।	17-7-76 से आगे	1 रुपया प्रति पेटी ।
3.	किसी ग्रन्थ वैकिंग में रखे या खुले सेव	17-7-76 से आगे	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
4.	आम	(i) 17-7-76 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए । 50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
5.	नारंगी, मीठे संतरे जिसके अन्तर्गत किसी भी है	(i) 17-7-76 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए । 50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
6.	खूबानी, आड़, आलू बुखारा	(i) 17-7-76 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए । 50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
7.	अंगूर	29-9-76 से आगे	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
8.	केला	(i) 29-9-76 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए । 50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
9.	नाशपाती	(i) 29-9-76 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	25 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए । 50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।
10.	ग्रन्थ सभी फल	22-8-85 से आगे	50 पैसे प्रति 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए ।

1	2	3	4
11. 40 कि० ग्रा० की धारिता की आलू की भरी हुई बोरी	(i) 29-4-78 से 50 पैसे प्रति बोरी। 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से 1 रुपया प्रति बोरी। 7-4-86 तक।		
12. 40 कि० ग्रा० से अधिक और 80 कि० ग्रा० तक की धारिता की आलू से भरी हुई बोरी।	(i) 29-4-87 से 1 रुपया प्रति बोरी। 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से 2 रुपये प्रति बोरी। 7-4-86 तक।		
13. अन्य पैकिंग में मरे या खुले आलू	(i) 29-4-78 से 50 पैसे प्रति 10 कि० ग्रा० या उसके भाग के लिए। (ii) 22-8-85 से 1 रुपया प्रति 40 कि० ग्रा० या उसके भाग के लिए। 8-4-86 से 25 पैसे प्रति 10 कि० ग्रा० या उसके भाग के लिए।		
आलू	(8-4-86 से मद संख्या 12 और 13 का लोप)		
14. अन्य सभी संबिधानों	22-8-85 से आगे 25 पैसे प्रति 10 कि० ग्रा० या उसके भाग के लिए।		
15. इमारती लकड़ी :			
(क) सान और हाकरीज (सभी आकार की) :	29-4-78 से 50 रुपये प्रति धन 5-11-78 तक। मीटर।		
(i) देवदार।	6-11-78 से आगे 50 रुपये प्रति धन मीटर।		
सान, हाकरीज, डिमडिमाज, रफैक्सड (सभी आकार की)।	29-4-78 से 40 रुपये प्रति धन मीटर।		
(ii) देवदार, वालनट, मेपल, बैंडचेरी, बैटुला प्रजाति (भोजपत्र), एस्कुलस, इण्डिका (खनोर)	6-11-78 से 40 रुपये प्रति धन मीटर।		
(iii) कैल	29-4-78 से आगे 35 रुपये प्रति धन मीटर।		
(iv) कैल, साल	29-4-78 से 5-11-78 तक।		
(v) चीड़	6-11-78 से 35 रुपये प्रति धन मीटर।		
(vi) फर	29-4-78 से 35 रुपये प्रति धन मीटर।		
(vii) फर/स्प्रेस	6-11-78 से आगे 30 रुपये प्रति धन मीटर।		
(viii) हार्नर्वीन (खिड़की), ऐश	6-11-78 से आगे 75 रु प्रति धन मीटर।		
(ख) गेली (लौग) (सभी आकार की) :	29-4-78 से 35 रुपये प्रति धन मीटर।		
(i) देवदार	5-11-78 तक।		
(ii) देवदार, वालनट, मेपल, बैंडचेरी, बैटुला प्रजाति (भोजपत्र), एस्कुलस, इण्डिका (खनोर)।	6-11-78 से आगे 35 रुपये प्रति धन मीटर।		

1	2	3	4
		29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 6-11-78 से आगे	28 रुपये प्रति घन मीटर । 28 रुपये प्रति घन मीटर । 25 रुपये प्रति घन मीटर । 20 रुपये प्रति घन मीटर । 20 रुपये प्रति घन मीटर । 52 रुपये प्रति घन मीटर ।
	(iii) कैल	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 6-11-78 से आगे	25 रुपये प्रति घन मीटर । 20 रुपये प्रति घन मीटर ।
	(iv) कैल, साल	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	20 रुपये प्रति घन मीटर । 18 रुपये प्रति घन मीटर । 15 रुपये प्रति घन मीटर ।
	(v) चीड़	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	15 रुपये प्रति घन मीटर ।
	(vi) फर	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	15 रुपये प्रति घन मीटर ।
	(vii) फर/स्प्रूस	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल । 50 रुपये प्रति किवटल ।
	(viii) हार्नबीन (खिड़की), ऐश	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	5 रुपये प्रति किवटल । 25 रुपये प्रति किवटल ।
(ग)	बलियां (सभी आकार की):	29-4-78 से आगे 29-4-78 से 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे 29-4-78 से आगे 29-4-78 से आगे 5-11-78 तक । 6-11-78 से आगे	0.75 रुपया प्रति किवटल ।
	(i) देवदार	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	1 रुपया प्रति किवटल ।
	(ii) कैल	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	1 रुपया प्रति किवटल ।
	(iii) कैल, साल	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
	(iv) चीड़	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
	(v) फर	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
	(vi) फर/स्प्रूस	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
(घ)	खैर:	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	25 रुपये प्रति किवटल ।
	(i) काटा हुआ सारकाष्ट या नारकाष्ट ईंधन की मोटी लकड़ी ।	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
	(ii) काटा हुआ सारकाष्ट या ईंधन की मोटी लकड़ी या गेली के रूप में या जड़ें या किसी अन्य रूप में ।	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	50 रुपये प्रति किवटल ।
	(iii) छाल सहित ईंधन की मोटी लकड़ी या गेली के रूप में खैर की लकड़ी ।	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	5 रुपये प्रति किवटल ।
	(iv) छाल सहित खैर की ईंधन की मोटी लकड़ी या गेली रूप में या जड़ें या किसी अन्य रूप में ।	6-11-78 से 21-8-85 तक । 22-8-85 से आगे	25 रुपये प्रति किवटल ।
(ङ)	ईंधन की लकड़ी	(i) 6-11-78 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	0.75 रुपया प्रति किवटल ।
	(च) चीड़ की गुड़दार लकड़ी	(i) 6-11-78 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल ।
	(छ) कोई अन्य शंकुधारी या चौड़े पत्तों वाली ईमारती लकड़ी ।	(i) 6-11-78 से आगे 6-11-78 से आगे	1 रुपया 50 पैसे प्रति किवटल ।
16.	बींज :	6-11-78 से आगे	5 रुपये प्रति किवटल ।
	सभी वन प्रजातियां जैसे देवदार, कैल, चीड़ और चौड़े पत्तों वालीं प्रजातियों के बींज ।	6-11-78 से आगे	100 रुपये प्रति किवटल ।
17.	अन्य वन उपज :	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक । (ii) 22-8-85 से आगे	1 रुपया 50 पैसे प्रति किवटल ।
	(क) बांस	29-4-78 से आगे	5 रुपये प्रति किवटल ।
	(ख) कथा	29-4-78 से आगे	150 रुपये प्रति किवटल ।

1	2	3	4
(ग) बरोजा	(i) 29-4-78 से 8-4-79 तक। (ii) 9-4-79 से आगे	12 रुपये 50 पैसे प्रति किवटल। शून्य	
(घ) डाइस्कोरिया	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	14 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 28 रुपये प्रति किवटल।	
(ङ) वार्करोज़	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे।	10 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 20 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(च) करमकारवी (कालाजीरा)।	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	200 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 400 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(छ) एम्बलिका औफसियनेल (आंवला फल)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	2 रुपये 50 पैसे प्रति किवटल (शुष्क)। 5 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(ज) सन्दीयना काढ़ (कौड़)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	25 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 50 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(झ) जुरीनिया मैक्रोसाफिला (धूप)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	5 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 10 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(झ) जुगलांसरेगिया (अखरोट छाल और फल)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 20 रुपये प्रति किवटल।	
(ट) मरचेला एसकुलेटा (गुच्छी)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से 25-4-89 तक। (iii) 26-4-89 से आगे	2,000 रुपये प्रति किवटल। 4,000 रुपये प्रति किवटल। 2,000 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(ठ) पिपरोथिज्जा कारोसा (कौड़-कडू)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक। (ii) 22-8-85 से आगे	25 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)। 50 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	
(ड) राऊबेलिफिया सरपेन्टीना (राऊबेलाफिया)	(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक।	250 रुपये प्रति किवटल (शुष्क)।	

1	2	3	4
		(ii) 22-8-85 से आगे	500 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(द) गाऊधुरिया लापा (कुठ)		(i) 29-4-78 से 21-5-85 तक ।	15 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	30 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(ग) टरमीनला चेवूला (हरा फल)		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	10 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	20 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(त) वायोलैसरपैन्स वायोलाओडोराटा (बनकसा)		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	50 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	100 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(थ) रीठा		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	10 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	40 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(द) चिलगोजा		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	75 रुपए प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 तक ।	150 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(ध) टरमीनेलिया बेलेरिका (वैहड़ा फल) ।		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	10 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	20 रुपये प्रति किंवटल (शुष्क) ।
(न) भाभर धास		(i) 29-4-78 से 21-8-85 तक ।	0.50 रुपए प्रति किंवटल (शुष्क) ।
		(ii) 22-8-85 से आगे	1 रुपया प्रति किंवटल (शुष्क) ।
18. (क) ईटे		22-8-85 से आगे	25 रुपये प्रति हजार ।
(ख) चूना पत्थर		(i) 22-8-85 से 16-12-85 तक ।	10 रुपये प्रति टन ।
		(ii) 17-12-85 से 30-4-88 तक ।	5 रुपये प्रति टन ।
(ग) बजरी		(iii) 1-5-88 से आगे 22-8-85 से आगे	10 रुपये प्रति टन । 5 रुपये प्रति टन ।

1	2	3	4
		22-8-85 से आगे	5 रुपए प्रति टन।
		22-8-85 से आगे	5 रुपये प्रति टन।
19. सीमेन्ट			
	(घ) रेत	(i) 22-8-85 से 30-4-88 तक	1 रुपया प्रति 50 किलो-ग्राम की बोरी।
	(इ) अन्य लघु खनिज	(ii) 1-5-88 से आगे	1 रुपया 50 पैसे प्रति 50 किलो ग्राम की बोरी।

टिप्पणी:—इस अनुसूची में “से आगे” शब्द से नियत दिन से ठीक पूर्व समाप्त होने वाले दिन तक की अवधि, अभिप्रेत है।

## उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश टैक्सेशन (आन सर्टन गुडज कैरीड बाई रोड) ऐक्ट, 1976, भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची II की प्रविष्टि 56 के अधीन, हिमाचल प्रदेश राज्य में सड़क द्वारा वहन किए जाने वाले कतिपय माल पर कर उद्गृहीत करने के लिए अधिनियमित किया गया था। इस अधिनियम की प्रभारी धारा 3 के अधीन यह स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि कर का उद्ग्रहण, हिमाचल प्रदेश पैसेन्जरज ऐण्ड गुडज टैक्सेशन ऐक्ट, 1955 के अधीन उद्गृहीत या उद्ग्राहय कर के अतिरिक्त होगा। 1955 के अधिनियम और 1976 के अधिनियम द्वारा अधिरोपित करों में यह सुस्पष्ट भिन्नता है कि जब पूर्ववर्ती अधिनियम के अधीन कर की गणना प्रभारित या प्रभार्य भाड़े या माल भाड़े के संदर्भ में की जाती है, वहाँ 1976 के अधिनियम के अधीन इसकी गणना सड़क द्वारा वहन किए गए माल के भार या मात्रा के संदर्भ में की जाती है। यथार्थतः उक्त दोनों अधिनियमों में सड़क द्वारा माल के वहन के बारे में असमाधेय संबंध की एकत्रितता विद्यमान है।

2. हिमाचल प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय ने विभिन्न रिटों में यह अवधारित किया है कि पूर्वोंकार अधिनियम के अधीन उद्गृहीत कर, सड़क और जलमार्गों द्वारा वहन किए गए माल पर सीधा उद्ग्रहण है और यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 304 (ख) के साथ पठित अनुच्छेद 301 का अतिक्रमणीय होने के कारण संविधानिक रूप से अविधिमान्य है। उच्च न्यायालय ने आगे यह भी आदेश दिया है कि राज्य सरकार, यात्रियों द्वारा कर के रूप में जमा की गई राशि का, ब्याज सहित प्रतिदाय करेगी। श्रतः यह निर्णय हिमाचल प्रदेश टैक्सेशन (आन सर्टन गुडज कैरीड बाई रोड) ऐक्ट, 1976 में अन्तर्निहित आशय अर्थात् राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण, विकास और अनुरक्षण पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष किए जाने वाले भारी मात्रा में उपगत व्यय के लिए प्रतिकर के विरुद्ध है।

3. माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने विभिन्न निर्णयों में यह अवधारित किया है कि प्रतिकरात्मक करों को अधिरोपित करने वाले उपाय अनुच्छेद 301 द्वारा अनुध्यात निर्बन्धनों की परिधि के भीतर नहीं आते हैं और ऐसे उपायों के लिए संविधान के अनुच्छेद 304 (ख) के परन्तुक की अपेक्षाताओं का पालन करना आवश्यक नहीं है। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से यह भी घोषित किया है कि उपरोक्त प्रविष्टि 56 के अधीन अधिरोपित कर, विनियमन और प्रतिकरात्मक स्वरूप का है। सड़क या स्थलीय जल मार्गों द्वारा वहन किए गए माल और यात्रियों पर कर उद्गृहीत करने की शक्ति अनन्य रूप से राज्य विधान मण्डल की है।

4. अधिनियम को, मुख्यतः इसके विधेयक से संलग्न उद्देश्यों के अस्पष्ट कथनों और यह साबित करने के अपर्याप्त या कमज़ोर बचाव के कारण कि यह वास्तव में एक प्रतिकरात्मक कराधान उपाय था, अविधिमान्य माना गया है। प्रभावी उत्तर के अभाव में, माननीय न्यायालय को इस अधिनियमिति के प्रतिकरात्मक स्वरूप के अध्ययन का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। प्रस्तावित विधेयक में, हिमाचल प्रदेश टैक्सेशन (आन सर्टन गुडज कैरीड बाई रोड) ऐक्ट, 1976 में विद्यमान त्रुटियों को दूर करने के लिए उद्ग्रहण को राज्य में माल के वहन के लिए वास्तविक रूप में प्रयोग की गई सड़क को दूरी पर प्रभार्य बना कर सुव्यवस्थित किया गया है और संग्रहण की पद्धति या तंत्र को भी उपयुक्त रूप से परिवर्तित किया गया है।

5. यह रावंविदित तथ्य है कि हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र में सड़कों और पुल जीवन के लिए अपरिहार्य हैं और राज्य सरकार को, प्रतिवर्ष सड़कों और पुलों के निर्माण, विकास, मुरम्भत, रख-रखाव और अनुरक्षण पर अनन्य रूप से अपने वजट का बहुत सा भाग खर्च करना पड़ता है, जिनके बिना किसी विकास के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। प्रतिवर्ष राज कोष में लगभग 9 करोड़ रुपय के राजस्व की आवर्ती हानि के

अतिरिक्त, सन्तिूक्ट प्रतिदाय के लिए राजकोष पर कम-से-कम 42 करोड़ रुपये का व्यय पड़ेगा जिसके कारण निधि के अभाव में आगामी कई वर्षों के लिए सड़कों और पुलों का निर्माण, अनुरक्षण और विकास पूर्णतया रुक जायेगा । अतः राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण, विकास, रख-रखाव और अनुरक्षण के लिये पर्याप्त निधि की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिये, राज्य में सड़कों द्वारा वहन किए गए कतिपय माल पर उद्गङ्खित करना आवश्यक हो गया है । राज्य सरकार द्वारा पूर्वोक्त अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से अधिरूपित और संगृहीत कर को विविधतय बनाना भी आवश्यक है ।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिये है ।

लगीन चन्द्र पाल,  
प्रभारी मन्त्री ।

शिल्पा :

18 मार्च, 1991.

### विधीय ज्ञापन

यह विधेयक सङ्केत द्वारा बहन किए गए कतिपय माल पर कर उद्गृहीत करने और हिमाचल प्रदेश टैक्सेशन (आन सर्टन गुड्ज कैरीड वाई रोड) ऐक्ट, 1976 को, जिसे हिमाचल प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अधिनियमन्वय रूप में विखण्डित कर दिया गया है, निरसित करने का उपबन्ध करता है। यदि इस विधेयक के उपबन्ध अधिनियमित नहीं किए जाते हैं, तो राज्य सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ रुपये की राजस्व की आवर्ती हानि होने की संभावना है। विधेयक का खण्ड 18, पूर्वोक्त, 1976 के अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार उद्गृहीत और संगृहीत कर को विधिभान्य करने का उपबन्ध करता है, क्योंकि ऐसे विधिभान्यकरण के अभाव में, राज्य सरकार को लगभग 41.55 करोड़ रुपये की कर राशि का, व्याज सहित, प्रतिदाय करना पड़ेगा, जो अधिनियम के प्रारम्भ में प्रथम् 17 जूलाई, 1976 से संगृहीत किया गया है। विधेयक के उपबन्धों को अधिनियमित किए जाने पर, राजकोष में कोई अतिरिक्त व्यय किए विभा, विद्यमान सरकारी तंत्र के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।

### प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 17, कर के उद्ग्रहण और संग्रहण को प्रतिभूत करने और साधारणतया अधिनियम के प्रयोजनों को निष्पादित करने के लिए, राज्य सरकार को नियम बनाने के लिए मशक्त करने का उपबन्ध करता है। प्रस्तावित प्रत्यायोजन आवश्यक और सामान्य स्वरूप का है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[आवकारी और कराधान विभाग नस्ति सं० १० एक्स० एन० (1) 1/90]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (सङ्केत द्वारा कतिपय माल के बहन पर) कराधान विधेयक, 1991 की विधायकस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरस्थापित करने और उस पर विचार करनें की सिफारिश करते हैं।

## AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 15 of 1991.

## THE HIMACHAL PRADESH TAXATION (ON CERTAIN GOODS CARRIED BY ROAD) BILL, 1991

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A  
BILL

*to provide for the levy of tax on certain goods carried by road in the State of Himachal Pradesh and to validate certain taxes imposed on goods carried by road and for certain other matters connected therewith.*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-second Year of the Republic of India as follows:—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1991. Short title and extent.

(2) It extends to the whole of the State Himachal Pradesh. Definitions.

2. In this Act, unless the context otherwise requires,—

- (a) “appointed day” means the day on which this Act comes into force;
- (b) “barrier or check post” means a barrier or check post established under section 5 of this Act ;
- (c) “Commissioner” means the Commissioner appointed under section 7 of this Act ;
- (d) “distance covered or being covered” means the total distance calculated from the first point from which the goods are carried by road (by means of a mechanical vehicle, cart, animal and human agency or any other means, except railways and airways) to the last point in the State ;
- (e) “goods” mean the goods specified in column (2) of the Schedule-I or Schedule-II, as the case may be, appended to this Act ;
- (f) “Government” or “State Government” means the Government of Himachal Pradesh ;
- (g) “Inspector” means the person authorised by the State Government to collect tax in respect of any goods and includes every Government servant posted in connection with the collection of tax ;
- (h) “kilogram” means kilogram as defined in the Standard of Weights and Measures Act, 1976 ;
- (i) “mechanical vehicle” means any mechanically propelled vehicle adapted for use upon roads whether the power of propulsion is transmitted thereto from an external or internal source and includes a chassis to which a body has not been attached and a trailer;
- (j) “notification” means a notification published in the Official Gazette;
- (k) “Official Gazette” means the Rajpatra, Himachal Pradesh ;
- (l) “prescribed” means prescribed by rules made under this Act ;
- (m) “Schedule” means the Schedule appended to this Act ;
- (n) “State” means the State of Himachal Pradesh ;

(o) "tax" means the tax levied under this Act ; and  
 (p) "taxing authority" means any officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of an Excise and Taxation Inspector appointed under sub-section (1) of section 7 of this Act and conferred upon him the powers under sub-section (2) or invested with powers under sub-section (3) of section 7 for carrying out the purposes of this Act.

Levy and  
rate of tax.

3. (1) Subject to the provisions of this Act, there shall be levied and paid to the State Government a tax on every kind of goods specified, in column (2) of the Schedule-I, carried by road by means of a mechanical vehicle, cart, animal and human agency or any other means, except railways and airways.

(2) Such tax levied on the goods specified in Schedule-I, shall be payable for a distance of every one hundred and fifty kilometres or part thereof covered or being covered within the State and at the following rates, namely:—

<p>(a) where the distance covered or being covered does not exceed 150 kilometres,</p> <p>(b) where the distance covered or being covered exceeds 150 kilometres but does not exceed 300 kilometres,</p> <p>(c) where the distance covered or being covered exceeds 300 kilometres,</p>	<p>at the rates as specified in column (3) of Schedule-I;</p> <p>at twice the rates specified in column (3) of Schedule-I ; and</p> <p>at thrice the rates specified in column (3) of Schedule-I.</p>
---	---

(3) On every kind of goods, specified in column (2) of the Schedule-II, carried by road by means of a mechanical vehicle, cart, animal and human agency or any other means, except railways and airways, at any time, on or after the 17th day of July, 1976 but before the appointed day, there shall be deemed and always deemed to have been levied and paid to the State Government, a tax for a distance of every one hundred and fifty kilometres, or part thereof, covered within the State, and for the period mentioned in column (3) thereof and at the following rates, namely:—

<p>(a) where the distance covered does not exceed 150 kilometres,</p> <p>(b) where the distance covered exceeds 150 kilometres but does not exceed 300 kilometres,</p> <p>(c) where the distance covered exceeds 300 kilometres,</p>	<p>at the rates as specified in column (4) of Schedule-II;</p> <p>at twice the rates specified in column (4) of Schedule-II; and</p> <p>at thrice the rates specified in column (4) of Schedule-II.</p>
--	---

(4) The net weight, value, volume and species of the goods for the purpose of assessment of tax shall be determined in the manner prescribed.

*Explanation.*—The tax levied under this Act shall be in addition to any tax levied or leivable under the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955.

15 of 1955

Mode of  
payment of  
tax.

4. The tax payable under this Act shall be paid by every person-in-charge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, in the prescribed manner, into the Government treasury or State Bank of India or to the taxing authority of the district through which the goods are carried subject to the condition that such authority shall issue him a receipt, in the prescribed form, in token of having received the amount specified therein.

5. (1) With a view to preventing or checking evasion of tax under this Act, the State Government may, by notification, direct the establishment of a check post or the erection of a barrier or both on such road or roads as may be notified.

Establish-  
ment of  
check posts  
or barriers  
and inspec-  
ti n of  
goods in  
transit.

(2) At every check post or barrier or at any other place when so required by an officer-in-charge of the check post or barrier or any other officer not below the rank of an Excise and Taxation Inspector, the driver or any other person-in-charge of the goods, mechanical vehicle, animal or cart shall stop the mechanical vehicle or animal or cart, as the case may be, and keep it stationary as long as may reasonably be necessary, and allow the aforesaid officer to examine the contents in the mechanical vehicle or animal or cart by breaking open the package or packages, if necessary, and inspect all records relating to the goods carried which are in the possession of such driver or other person-in-charge, who shall also furnish such other information as may be required by the aforesaid officer, and if considered necessary, such officer may also search the goods, mechanical vehicle, animal or cart and the driver or other person-in-charge of the mechanical vehicle or animal or cart or of the goods.

(3) The person-in-charge of the goods, mechanical vehicle, animal or cart shall keep with him the receipt in the prescribed form showing the tax paid by him under section 4 in respect of the goods being carried by him and produce on demand such receipt before an officer-in-charge of a check post or barrier or any other officer not below the rank of an Excise and Taxation Inspector checking such mechanical vehicle, animal or cart at any other place.

(4) If the person-in-charge of the goods or mechanical vehicle, animal or cart fails to produce the receipt as required under sub-section (3), the officer-in-charge of the check post or barrier or any other officer referred to in sub-section (3), as the case may be, shall recover the tax at the place of inspection or check post or barrier and issue him the receipt in the prescribed form.

(5) If the goods on which the tax is payable under this Act are passing through the check post or the barrier falling first in the course of transit within the State, the person-in-charge of the goods, mechanical vehicle, animal or cart may pay the tax at such check post or the barrier and obtain a receipt, in the prescribed form, against such payment.

6. A table of the tax, authorised to be taken at the office of the taxing authority or at any check post or barrier, shall be exhibited, in a conspicuous place near or in such office, check post or barrier, legibly written or printed in Hindi and English words and figures, to which shall be annexed, written or printed in like manner, a statement of penalties for evading or refusing to pay the tax.

Exhibition  
table of tax  
and state-  
ment of  
penalites.

7. (1) The Government may, for carrying out the purposes of this Act, appoint a Commissioner and such other officer or officers to assist him as it thinks fit.

Taxing  
authorities.

(2) The officer or officers, appointed under sub-section (1), shall exercise the powers of a taxing authority or such other powers as may be conferred upon them and perform such duties as may be required by or under this

Act, and have jurisdiction over such area or areas, and have such relation with one another, as may be prescribed.

(3) The Government may, instead of appointing any person under sub-section (1), invest, by notification, any officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of an Excise and Taxation Inspector to exercise any powers under this Act, and also specify therein the area in which power is to be exercised and thereupon such officer or officers shall be deemed to have been appointed under sub-section (1).

(4) All person appointed under this Act, shall be deemed to be public servants within the meaning of section 21 of the Indian Penal Code.

45 of 1860

Assistance to inspectors and other taxing authorities.

8. All police officers shall be bound to assist the Inspectors and other taxing authorities, when required, in the performance of their duties under this Act, and for that purpose, shall have the same powers which they have in the discharge of their ordinary police duties.

Recovery of tax in case of refusal to pay or evasion.

9. (1) If the taxing authority having jurisdiction in the district or Inspector-in-charge of a check post or barrier, as the case may be, is satisfied that any person carrying the goods specified in the Schedules has evaded payment of tax due under this Act, or such person has not made the payment of tax on demand, he may, for reasons to be recorded in writing and after hearing the said person, order detention of the goods as also the mechanical vehicle, cart or animal carrying such goods for such period as may reasonably be necessary and shall allow the same to proceed only on the owner of goods or his representative or the driver or other person-in-charge of the goods, mechanical vehicle, cart or animal on behalf of the owner of the goods making payment of the tax or furnishing to his satisfaction a security or executing a bond with or without sureties for securing the amount of tax, in the prescribed form.

(2) In case the person-in-charge of the goods or the mechanical vehicle, cart or animal detained under sub-section (1) fails to pay the tax due or furnish a bond referred to in sub-section (1) within 24 hours of the detention of such goods, the taxing authority or the Inspector may cause the goods to be sold in the prescribed manner.

(3) The sale proceeds of such goods after defraying the expenses of sale and after deducting the tax shall be paid to the person-in-charge of the goods in the prescribed manner.

Penalties.

10. (1) Whosoever—

(a) contravenes or abets the contravention of any of the provisions of this Act or the rules made thereunder or any order or direction made under any such provision or rule; or

(b) conceals the particulars of the goods carried or deliberately furnishes inaccurate particulars of such goods,

shall on conviction, be liable to imprisonment of either description which may extend to six months or a fine which may extend to one thousand rupees or to both.

(2) No Magistrate shall take cognizance of any offence under this Act or the rules made thereunder except on a complaint in writing made by an officer or authority authorised by the Commissioner, in this behalf.

11. (1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, authorise any officer, not below the rank of an Excise and Taxation Officer, to compound the offences committed under this Act and rules made thereunder.

Composition of offences.

(2) The officer authorised under sub-section (1), may compound the offence committed under this Act by charging either a sum of rupees one thousand or double the amount of tax, whichever is higher.

(3) On payment of the sum referred to in sub-section (2), no further criminal proceedings shall be taken or continued to be taken against the person concerned in respect of such offence.

12. (1) An appeal shall lie to the Appellate Authority appointed by the State Government in this behalf, against any original order passed under this Act, within sixty days of the passing of such order :

Appeal.

Provided that no appeal shall be entertained by such authority unless it is satisfied that the amount of tax and penalty imposed has been paid :

Provided further that such authority, if satisfied that the person aggrieved is unable to make such payment, may, for reasons to be recorded in writing, entertain an appeal without such payment having been made.

(2) Save as provided in section 13, an order passed by the Appellate Authority shall be final.

13. (1) The Commissioner may, of his own motion, call for the record of any proceedings which are pending before, or have been disposed of by, any authority subordinate to him, for the purpose of satisfying himself as to the legality or propriety of such proceedings or order made therein and may pass such order in relation thereto as he may think fit.

Revision.

(2) The State Government may by notification confer on any officer powers of the Commissioner under sub-section (1) to be exercised subject to such conditions and in respect of such areas as may be specified in the notification.

(3) No order shall be passed under this section which adversely affects any person unless such person has been given a reasonable opportunity of being heard.

14. The taxing authority, either *suo-motu* or on application made to it, shall, in the prescribed manner, refund any amount of tax or penalty, paid in excess of the amount due under this Act, to the person who paid such amount in excess:

Refund.

Provided that the refund under this section shall be subject to such conditions as may be prescribed.

Power to  
amend  
Schedule-I.

15. (1) The State Government may, subject to the condition of previous publication, by notification add to or delete any goods specified in column (2) of the Schedule-I and amend the rate of tax specified in column (3) thereof and thereupon the said Schedule-I shall stand amended accordingly:

Provided that the rate of tax shall not be increased at any one time by more than 50% of the rate specified in the Schedule-I.

(2) Every notification issued under sub-section (1) shall, as soon as may be, after it is issued, be laid on the Table of the Legislative Assembly.

Bar of pro-  
ceedings.

16. No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against any person authorised to act by or under this Act or the rules made thereunder for anything done, or purporting to have been done, in good faith, under this Act or the rules made thereunder.

Power to  
make rules.

17. The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules consistent with this Act, for securing the levy and collection of tax and generally for carrying out the purposes of this Act.

Validation  
and exemp-  
tion.

18. (1) Notwithstanding anything contained in any judgement, decree or order of any court or other authority to the contrary, any assessment, levy or collection of any tax, on certain goods carried by road within the State (hereafter in this section referred to as "aforesaid tax"), made or purporting to have been made or any action taken or anything done under the provisions of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976 (hereafter in this section referred to as "the said Act"), at any time, on or after the 17th day of July, 1976 but before the commencement of this Act, shall be deemed to be as valid and effective as if such assessment, levy or collection or action or thing had been made, taken or done under the provisions of this Act and accordingly—

34 of 1976

- (i) the aforesaid tax assessed, levied or collected or purporting to have been assessed, levied or collected under provisions of the said Act before the commencement of this Act shall be deemed to be and always deemed to have been validly assessed, levied or collected in accordance with law;
- (ii) no suit or other proceeding shall be maintained or continued in any court or before any authority for the refund of, and no enforcement shall be made by any court or authority of any decree or order directing the refund of, any such aforesaid tax which has been collected;
- (iii) recoveries, if any, shall be made in accordance with the provisions of the said Act of all amounts which would have been collected thereunder as such aforesaid tax if this Act had been in force at all material times; and
- (iv) anything done or any action taken (including any rule or order made, notification issued or direction given or exemption granted or penalty imposed) under the said Act before the commencement of this Act shall be deemed always to have been validly done or taken in accordance with this Act.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), any goods specified in column (2) of the Schedule appended to the said Act shall be exempt from the aforesaid tax where such goods have been carried by road, at any time, on or after the commencement of the said Act but before the commencement of this Act and the aforesaid tax has not been collected on such goods on the grounds that no such tax could have been levied or collected at that time.

(3) For the removal of doubts, it is hereby declared that—

(a) nothing in sub-section (1) shall be construed as preventing any person—

(i) from questioning, in accordance with the provisions of this Act, the assessment, levy or collection of the aforesaid tax ; or

(ii) from claiming refund of the aforesaid tax paid by him in excess of the amount due from him under the this Act; and

(b) no act or omission on the part of any person, before the commencement of this Act, shall be punishable as an offence which would not have been so punishable as if this Act had not come into force.

34 of 1976

19. (1) The Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976, is hereby repealed.

Repeal and savings.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the said repealed Act shall be deemed to have been done or taken under this Act as if this Act had come into force on the 17th day of July, 1976.

## THE SCHEDULE-I

[See sub-sections (1) and (2) of section 3]

Sl. No.	Particulars of the goods on which tax is leviable	Rate of tax
1	2	3
1.	Apples contained in boxes upto 10 kg. capacity	50 paise per box.
2.	Apples contained in boxes of more than 10 kg. and upto 20 kg. capacity	Re. 1.00 per box.
3.	Apples contained in any other packing or loose	50 paise per 10 kg. or part thereof.
4.	Mangoes	50 paise per 10 kg. or part thereof.
5.	Mandrin, Sweet Oranges including Kinnu	50 paise per 10 kg. or part thereof.
6.	Appricots, Peaches, Plums	50 paise per 10 kg. or part thereof.
7.	Grapes	50 paise per 10 kg. or part thereof.
8.	Bananas	50 paise per 10 kg. or part thereof.
9.	Pears	50 paise per 10 kg. or part thereof.
10.	All other fruits	50 paise per 10 kg. or part thereof.
11.	Potatoes	25 paise per 10 kg. or part thereof.
12.	All other vegetables	25 paise per 10 kg. or part thereof.
13.	TIMBER :	
	(a) Sawn, Hakries, Dimdimas, Rough Axed (All Sizes) :	
	(i) Deodar, Walnut, Maple, Birdcherry, Betula species (Bhojpattar), Aesculus indica (Khanor)	Rs. 50 Cum.
	(ii) Kail, Sal	Rs. 40 Cum.
	(iii) Chil	Rs. 35 Cum.
	(iv) Fir/Spruce	Rs. 30 Cum.
	(v) Hornbeam (Khirkee), Ash	Rs. 75 Cum.
	(b) Logs (All Sizes) :	
	(i) Deodar, Walnut, Maple, Birdcherry, Betula species (Bhojpattar), Aesculus indica (Khanor)	Rs. 35 Cum.
	(ii) Kail, Sal	Rs. 28 Cum.
	(iii) Chil	Rs. 25 Cum.
	(iv) Fir/Spruce	Rs. 20 Cum.
	(v) Hornbeam (Khirkee), Ash	Rs. 52 Cum.

1 2 3

**(c) Ballies (All Sizes) :**

- (i) Deodar Rs. 25 Cum.
- (ii) Kail, Sal Rs. 20 Cum.
- (iii) Chil Rs. 18 Cum.
- (iv) Fir/Spruce Rs. 15 Cum.

**(d) Khair:**

- (i) Chipped heartwood or billets or log form or roots or any other form Rs. 50/- per quintal.
- (ii) Khair wood with bark in billets or log form or roots or any other form Rs. 25/- per quintal.
- (e) Fuel wood Rs. 10/- per quintal.
- (f) Chil Pulpwood Rs. 10/- per quintal.
- (g) Any other coniferous or broad leaved timber Rs. 40 Cum.

**14. Seeds :**

Seeds of all forest species like Deodar, Kail, Chil and broad leaved species

Rs. 100/- per quintal.

**15. Other Forest Produce :**

- (a) Bamboo Rs. 10/- per quintal.
- (b) Katha Rs. 500/- per quintal.
- (c) Resin Rs. 20/- per quintal.
- (d) Diescorea Rs. 28/- per quintal (dry).
- (e) Barberries Rs. 20/- per quintal (dry).
- (f) Carum Carvi (Kala-zeera) Rs. 400/- per quintal (dry).
- (g) Emblica officianale (Amla fruit) Rs. 10/- per quintal (dry).
- (h) Centiana Karru (Kaur) Rs. 50/- per quintal (dry).
- (i) Jurinea Macrocephala (Dhoop) Rs. 50/- per quintal (dry).
- (j) Juglansregia (Akhrot bark and fruit) Rs. 100/- per quintal (dry).
- (k) Merchella esculenta (Guchhie) Rs. 5,000/- per quintal (dry).
- (l) Picrothiza Karrosa (Kaur, Karu) Rs. 50/- per quintal (dry).
- (m) Rauwelfia serpentina (Rauwolfia) Rs. 750/- per quintal (dry).
- (n) Saussurea lappa (Kuth) Rs. 30/- per quintal (dry).
- (o) Terminalia chebula (Hara fruit) Rs. 40/- per quintal (dry).
- (p) Violserpens Violaodorata (Banafsha) Rs. 100/- per quintal (dry).
- (q) Rettha Rs. 40/- per quintal (dry).
- (r) Chilgoza Rs. 150/- per quintal (dry).
- (s) Terminalia belerica (Behera fruit) Rs. 40/- per quintal (dry).
- (t) Bhabar grass Rs. 5/- per quintal (dry).

**16. (a) Bricks**

Rs. 30/- per thousand.

(b) Lime stone

Rs. 50/- per ton.

(c) Bajri

Rs. 10/- per ton.

(d) Sand

Rs. 10/- per ton.

(e) Other minor minerals

Rs. 10/- per ton.

**17. Cement**

Rs. 2.00 per bag of 50 kg.

**18. Brick bats**

Rs. 20/- per ton.

## SCHEDULE-II

[(See sub-section (3) of section 3)]

Sl. No.	Particulars of the goods on which tax is leviable	Period	Rate of tax
1	2	3	4
1.	Apples contained in boxes upto 10 kg. capacity.	From 17-7-76 onwards.	50 paise per box.
2.	Apples contained in boxes of more than 10 kg. and upto 20 kg. capacity.	From 17-7-76 onwards.	Re. 1.00 per box.
3.	Apples contained in any other packing or loose.	From 17-7-76 onwards.	50 paise per 10 kg. or part thereof.
4.	Mangoes.	(i) From 17-7-76 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof. 50 paise per 10 kg. or part thereof.
5.	Mandrin, Sweet Oranges including Kinnu.	(i) From 17-7-76 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof. 50 paise per 10 kg. or part thereof.
6.	Apricots, Peaches, Plums	(i) From 17-7-76 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof. 50 paise per 10 kg. or part thereof.
7.	Grapes	From 29-9-76 onwards.	50 paise per 10 kg. or part thereof.
8.	Bananas	(i) From 29-9-76 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof. 50 paise per 10 kg. or part thereof.
9.	Pears	(i) From 29-9-76 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof. 50 paise per 10 kg. or part thereof.
10.	All other fruits	From 22-8-85 onwards.	50 paise per 10 kg. or part thereof.
11.	Potatoes contained in bags upto 40 kg capacity	(i) From 29-4-78 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 to 7-4-86	50 paise per bag. Re. 1/- per bag.
12.	Potatoes contained in bags of more than 40 kg. and upto 80 kg capacity.	(i) From 29-4-78 to 21-8-85 (ii) From 22-8-85 to 7-4-86	Re. 1/- per bag. Rs. 2/- per bag.

1	2	3	4
13. Potatoes contained in other package or loose.	(i) From 29-4-78 to 21-5-85 (ii) From 22-8-85 to 7-4-86	50 paise per 40 kg. or part thereof. Re. 1/- per 40kg.or part thereof.	
Potatoes	From 8-4-86 onwards.	25 paise per 10 kg. or part thereof.	
(Item No. 12 and 13 omitted w.e.f. 8-4-86)			
14. All other vegetables	From 22-8-85 onwards.	25 parise per 10 kg. or part thereof.	
15. <i>Timber</i> :			
(a) Sawn and Hakries (All sizes):			
(i) Deodar Sawn, Hakries, Dimdimas, rough axed (All sizes) :	From 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 50 Cum.	
(ii) Deodar, Walnut, Maple, Birdcherry, Betua species (Bhojpattar) Aesculus indica (Khanor)	From 6-11-78 onwards.	Rs. 50 Cium.	
(iii) Kail	From 29-4-78 to 6-11-78	Rs. 40 Cum.	
(iv) Kail, Sal	From 6-11-78 onwards	Rs. 40 Cum.	
(v) Chil	From 29-4-78 onwards.	Rs. 35 Cum.	
(vi) Fir	Fróm 29-4-78 to 5-11-78.	Rs. 35 Cum.	
(vii) Fir/Spruce	From 6-11-78 onwards.	Rs. 30 Cum.	
(viii) Hornbeam (Khirkee), Ash	From 6-11-78 onwards	Rs. 75 Cum.	
(b) Logs (All sizes) :			
(i) Deodar	From 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 35 Cum.	
(ii) Deodar, Walnut, Maple, Birdcherry, Beutla species (Bhojpattar), Aesculus indica (Khanor).	From 6-11-78 onwards	Rs. 35 Cum.	
(iii) Kail	Form 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 28 Cum.	
(iv) Kail, Sal	From 6-11-78 onwards.	Rs. 28 Cum.	
(v) Chil	From 29-4-78 onwards.	Rs. 25 Cum.	
(vi) Fir	From 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 20 Cum.	
(vii) Fir/Spruce	From 6-11-78 onwards.	Rs. 20 Cum.	
(viii) Hornbeam (Khirkee), Ash	From 6-11-78 onwards	Rs. 52 Cum.	
(c) Ballies (All sizes):			
(i) Deodar	From 29-4-78 onwards.	Rs. 25 Cum.	

1	2	3	4
(ii)	Kail	From 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 20 Cum.
(iii)	Kail, Sal	From 6-11-78 onwards.	Rs. 20 Cum.
(iv)	Chil	From 29-4-78 onwards.	Rs. 18 Cum.
(v)	Fir	From 29-4-78 to 5-11-78	Rs. 15 Cum.
(vi)	Fir/Spruce	From 6-11-78 onwards.	Rs. 15 Cum.
<b>(d) Khair:</b>			
(i)	Chipped heartwood or billets of heartwood.	From 6-11-78 to 21-8-85	Rs. 10/- per quintal.
(ii)	Chipped heartwood or billets or log form or roots or any other form.	From 22-8-85 onwards.	Rs. 50/- per quintal.
(iii)	Khairwood with bark in billets or log form.	From 6-11-78 to 21-8-85	Rs. 5/- per quintal.
(iv)	Khair wood with bark in billets or log form or roots or any other form.	From 22-8-85 onwards	Rs. 25/- per quintal.
<b>(e) Furlwood</b>			
(i)	From 6-11-78 to 21-8-85	Rs. 0.75 per quintal.	
(ii)	From 22-8-85 onwards	Rs. 10/- per quintal.	
<b>(f) Chil Pulpwood</b>			
(i)	From 6-11-78 to 21-8-85	Rs. 1/- per quintal.	
(ii)	From 22-8-85 onwards.	Rs. 10/- per quintal.	
<b>(g) Any other coniferous or broad leaved timber.</b>			
	From 6-11-78 onwards	Rs. 40 Cum.	
<b>16. Seeds:</b>			
Seeds of all forest species like Deodar, Kail, Chil and broad leaved species.			
	From 6-11-78 onwards.	Rs. 100/- per quintal.	
<b>17. Other Forest Produce:</b>			
<b>(a) Bamboo</b>			
(i)	From 29-4-78 to 21-8-86.	Rs. 1.50 per quintal.	
<b>(b) Katha</b>			
(i)	From 22-8-85 onwards.	Rs. 5/- per quintal.	
	From 29-4-78 onwards.	Rs. 150/- per quintal.	
<b>(c) Resin</b>			
(i)	From 29-4-78 to 8-4-79.	Rs. 12.50 per quintal.	
(ii)	From 9-4-79 onwards	Nil.	
<b>(d) Dioscorea</b>			
(i)	From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 14/- per quintal. (dry).	

2

3

4

(e) Barberries	<ul style="list-style-type: none"> <li>(ii) From 22-8-85 onwards Rs. 28/- per quintal.</li> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 10/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 20/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(f) Carum Carvi(Kala-Zeera)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 200/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 400/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(g) Emblica officianale (Amla fruit)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 2.50 per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 5/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(h) Centiana Karu (Kaur)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 25/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 50/- per quintal. (dry).</li> </ul>		
(i) Jurinea Macrocephila (Dhoop)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 5/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 10/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(j) Juglansregia (Akhrot bark and fruit).	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 10/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 20/- per quintal.</li> </ul>		
(k) Merchella esculenta (Guchhie)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 2,000/- per quintal. 21-8-85.</li> <li>(ii) From 22-8-85 to Rs. 4,000/- per quintal. 25-4-89.</li> <li>(iii) From 26-4-89 onwards. Rs. 2,000/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(l) Picrothiza Karrosa (Kaur, Karu)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 25/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 50/- per quintal (dry).</li> </ul>		
(m) Rauwelfia serpentina (Rauwolfia)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 250/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-5-85 onwards. Rs. 500/- per quintal. (dry).</li> </ul>		
(n) Saussurea lappa (Kuth)	<ul style="list-style-type: none"> <li>(i) From 29-4-78 to Rs. 15/- per quintal 21-8-85. (dry).</li> <li>(ii) From 22-8-85 onwards. Rs. 30/- per quintal (dry).</li> </ul>		

1	2	3	4
	(o) Terminala chebula (Hara fruit)	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 10/- per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards	Rs. 20/- per quintal (dry).
	(p) Violaserpens, Violaodcrata (Banafsha).	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 50/- per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards.	Rs. 100/- per quintal (dry).
	(q) Reetha	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 10/- per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards	Rs. 40/- per quintal (dry).
	(r) Chilgoza	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 75/- per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards.	Rs. 150/- per quintal (dry).
	(s) Terminalia belerica (Bchera fruit)	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 10/- per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards.	Rs. 20/- per quintal (dry).
	(t) Bhabar grass	(i) From 29-4-78 to 21-8-85.	Rs. 0.50 per quintal (dry).
		(ii) From 22-8-85 onwards.	Rs. 1/- per quintal (dry).
18.	(a) Bricks	From 22-8-85 onwards.	Rs. 25/- per thousand.
	(b) Lime stone	(i) From 22-8-85 to 16-12-85.	Rs. 10/- per ton.
		(ii) From 17-12-85 to 30-4-88.	Rs. 5/- per ton.
		(iii) From 1-5-88 onwards.	Rs. 10/- per ton.
	(c) Bajri	From 22-8-85 onwards.	Rs. 5/- per ton.
	(d) Sand	From 22-8-85 onwards.	Rs. 5/- per ton.
	(e) Other minor minerals	From 22-8-85 onwards.	Rs. 5/- per ton.
19.	Cement	(i) From 22-8-85 to 30-4-88.	Rs. 1/- per bag of 50 kg.
		(ii) From 1-5-88 onwards.	Rs. 1.50 per bag of 50 kg.

*Note:—*In this schedule the word “onwards” shall mean the period ending on the day immediately before the appointed day.

## STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976 was enacted under Entry 56, List II of the Seventh Schedule to the Constitution of India to levy a tax on certain goods which are carried by road within the State of Himachal Pradesh. The charging section 3 of this Act categorically declared the levy of tax to be in addition to the tax levied or leviable under the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955. The conspicuous distinction between the taxes imposed by the Act of 1955 and Act of 1976 is that while under the former Act the tax is calculated with reference to the fare or freight charged or chargeable, whereas under the Act of 1976, it is calculated with reference to weight or volume of goods carried by road. Nevertheless, in both these enactments there exist identity of inexertible nexus with the carriage of goods by road.

2. In various writ petitions, the Hon'ble High Court of Himachal Pradesh has held that the tax levied under the aforesaid Act is a direct levy upon the carriage of goods by road and waterways and it is constitutionally invalid being violative of Article 301 read with Article 304 (b) of the Constitution of India. The High Court has further ordered that the State Government shall refund, alongwith interest, the amount of tax deposited towards tax by the petitioners. This judgement, therefore, went against the basic intention underlying the enactment of the H. P. Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976, namely a compensation for the huge expenditure incurred each year by the Government on construction development and maintenance of roads and bridges within the State.

3. The Hon'ble Supreme Court in its various judgements has held that measures imposing compensatory taxes, do not come within the purview of restrictions contemplated by Article 301 and such measures need not comply with the requirements of the proviso to Article 304 (b) of the Constitution. The Court has also clearly declared that the tax imposed under Entry 56, *ibid*, is of a regulatory and compensatory character. The power to levy taxes on goods and passengers carried by road or inland waterways belongs exclusively to the State Legislature.

4. The invalidation of the Act is attributable principally to the unclear statement of objectives appended to its Bill and inadequate or feeble defence to prove that it was, in fact, a compensatory taxation measure. In the absence of effective reply the Hon'ble Court did not have the occasion to go to the compensatory character of this enactment. In the proposed Bill, the levy has been rationalised by making it chargeable on the slabs of mileage of roads actually used for carrying of goods within the State and the method or machinery of collection has also been suitably modified, to remove the defects existing in the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976.

5. It is well known fact that the roads and bridges are life line in the hilly terrain of Himachal Pradesh and every year the State Government has to devote a sizeable chunk of its budget exclusively to the construction, development, repair, upkeep and maintenance of roads and bridges, without which any development is unthinkable. Beside loss of a recurring income of revenue of nearly Rs. 9 crores each year, to the State exchequer, the impending refund of tax will drain out not less than Rs. 42 crores from the State exchequer, which will mean absolute halt to the construction, maintenance and development of roads and bridges for many years to come for want of funds. Hence, in order to ensure availability of sufficient funds for construction, development, upkeep and maintenance of roads and bridges in the State, it has become necessary to levy the tax on certain goods carried by road within the State. It is also essential to validate the tax imposed and collected by the State Government right from the date of commencement of the aforesaid Act.

The Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

NAGIN CHANDER PAL,  
Minister-in-charge.

SHIMLA:

18th March, 1991.

## FINANCIAL MEMORANDUM

The Bill seeks to levy the tax on certain goods carried by road and to repeal the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1976 which has been struck down as invalid by the Hon'ble High Court of Himachal Pradesh. In case, the provisions of this Bill are not enacted, the State Government is likely to incur a recurring loss of revenue to the tune of Rs. 9 crores approximately per annum. Clause 18 of the Bill seeks to validate the tax levied and collected in accordance with the provisions of the Act of 1976, *ibid*, because in the absence of such validation, the State Government shall have to refund the tax along with interest amounting to Rs. 41.55 crores approximately which has been collected from the commencement of the Act, i.e. 17th July, 1976. The provisions of the Bill when enacted will be implemented through the existing Government machinery without incurring any additional expenditure from the state exchequer.

## MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Clause 17 of the Bill seeks to empower the State Government to make rules for securing the levy and collection of tax and generally for carrying out the purposes of the Act. The proposed delegation of powers is essential and normal in character.

## RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[Excise and Taxation Department file No. EXN-F (1)1/90]

The Governor, Himachal Pradesh, after having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Bill, 1991 recommends under Article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the said Bill in the State Legislative Assembly.